विष्णु जी की आरती / Vishnu Jee Kee Aaratee

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे ।

भक्त जनन के संकट, क्षण में दूर करे ।। ॐ

जो ध्यावै फल पावै, दुःख बिनसे मन का । स्वा.

सुख संपत्ति घर आवे, कष्ट मिटै तन का ।। ॐ

मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी । स्वा.

तुम बिन और न दूजा, आस करूँ जिसकी ।। ॐ

तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी । स्वा.

पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी । ॐ

तुम करुणा के सागर, तुम पालनकर्ता । स्वा.

मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता ॥ ॐ

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति । स्वा.

किस विधि मिलूं दयामय, तुमको मैं कुमति ।। ॐ

दीनबंधु दुःखहर्ता, तुम रक्षक मेरे । स्वा.

अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा मैं तेरे ।। ॐ

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा । स्वा.

श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा ।। ॐ

तन, मन, धन जो कुछ है, सब ही हे तेरा । स्वा.

तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा ।। ॐ

श्री जगदीश जी की आरती, जो कोई नर गावै । स्वा.

कहत शिवानंद स्वामी, सुख संपत्ति पावै ।। ॐ

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in